## सेवाओं का कार्यक्षेत्र

### मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हिमेटोलॉजी

- किमोथेरेपी
- इम्युनोथेरेपी
- बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- पिडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- जीरियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
- ऑन्कोलॉजी क्रिटिकल केर

### सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

- मुंह एवं गला
- स्तन
- जीआई, लंग एवं थोरैसिक
- सर्वाइकल एवं गायनेकोलॉजी
- प्रोस्टेट एवं जिनेटो-युरेनरी
- कोलोरेक्टल
- पेरिटोनियल
- ब्रेन, स्पाइन एंड बॉन
- लिवर एवं पैनक्रियाज

### प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

### रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

- रेडिएशन थेरेपी

### न्यूक्लीयर मेडिसिन

- पेट सीटी
- स्पेक्ट
- हाई-डोज रेडियोन्युक्लाइड थेरेपी

### पेइन एंड पेलीएटिव केर

## एनेस्थेसियोलॉजी

डॉ. राजेन्द्र बगवाडे
डॉ. योगेश टांक
डॉ. धर्मेन्द्रसिंह चावडा
डॉ. जिग्नेश मोरी

## कार्डियोलॉजी

डॉ. केतन वेकरिया

## इन्टरनल मेडिसिन

डॉ. ऋषिकेश शाह

## मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

### मेडिकल ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. पंकज शाह
डॉ. दिलीप श्रीनिवासन
डॉ. मिथुन शाह
डॉ. नहुष टहिलियाणी

### बॉन मेरो ट्रांसप्लांट एंड हिमेटोलॉजी

डॉ. निधि जैन

### ऑन्कोक्रिटिकल केर

डॉ. मृगांक भावसार

## सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

### मुंह एवं गला

डॉ. महेश पटेल
डॉ. सिद्धार्थ शाह

### जीआई, लंग एंड थोरैसिक

डॉ. महेश डी. पटेल

### जीआई, पेरीटोनियल गायनेकोलॉजी

डॉ. अदिति भट्ट

### स्तन कैंसर

डॉ. प्रियंका चिरिपाल

### युरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. मुकेश पटेल
डॉ. कमलेश पटेल
डॉ. कौस्तूभ पटेल

### न्यूरो ऑन्कोलॉजी

डॉ. दीपक पटेल
डॉ. कल्पेश शाह

### स्पाइन कैंसर

डॉ. हितेश मोदी

### ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी

डॉ. जयमीन शाह

## प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

डॉ. रघुवीर सोलंकी
डॉ. जतीन कुमार भोजाणी

## रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डॉ. सदीप जैन

## न्यूक्लीयर मेडिसिन

डॉ. सनी गांधी

## पेइन मेनेजमेंट

डॉ. मिलन मेहता

## रेडियोलॉजी

डॉ. अमी पंचाल
डॉ. श्वेता ठक्कर

## हमारे विशेषज्ञ

डॉ. कौस्तुभ पटेल
MS, DNB - Urology

### यूरोलॉजिक कैंसर के लिए ज़ायडस कैंसर सेंटर क्यों चुनें :

- सालभर 24x7 सेवाएँ प्रदान करने के लिए पूर्णकालिक समर्पित विशेषज्ञ
- रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक रूप से शल्य चिकित्सीय उपचार करने के लिए अत्याधुनिक अधोसंरचना

**अपना एपॉइंटमेंट बुक करने के लिए, कॉल करें :**
**+91 72290 47022 / 21**


**ज़ायडस कैंसर सेन्टर**
ज़ायडस हॉस्पिटल रोड, अेस.जी. हाईवे,
थलतेज, अहमदाबाद - 380 054, गुजरात.
**बोर्ड लाइन:** 079-71 666 000


Zydus Hospitals Cancer Centre

# प्रोस्टेट कैंसर विभाग

## अवलोकन

प्रोस्टेट पुरुषों में अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि होती है जिसमें वीर्य-संबंधी तरल पदार्थ का उत्पादन होता है जो शुक्राणु का पोषण और परिवहन करता है।

प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में सबसे आम प्रकार का एक कैंसर है। आमतौर पर प्रोस्टेट कैंसर धीरे-धीरे बढ़ता है। शुरू में यह प्रोस्टेटग्रंथि तक ही सीमित होता है, जहाँ यह गंभीर नुकसान नहीं पहुँचाता है हालांकि, प्रोस्टेट कैंसर एक समयावधि के दौरान धीरे-धीरे बढ़ता रहता है। यह आसपास के अन्य अंगों में फैल सकता है जैसे कि मूत्राशय, शुक्राशय और मलाशय। कई बार यह हड्डियों में भी फैल सकता है।

प्रोस्टेट कैंसर का जल्दी पता चलने पर -जब तक यह प्रोस्टेटग्रंथि तक ही सीमित होता है-सफल उपचार की बेहतर संभावना होती है।

## लक्षण

हो सकता है कि प्रोस्टेट कैंसर अपने शुरु आती दौर में कोई संकेत या लक्षण न दिखाए। केवल तभी जब यह अधिक उन्नत अवस्था में होता है, संकेत और लक्षण दिखाना शुरू करता है जैसेकि:

- बार-बार पेशाब की इच्छा होना
- पेशाब के बाद भी यह महसूस होना किब्लैडर भरा हुआ है
- पेशाब आने में समय लगना
- पेशाब का कम बहाव
- पेशाब का टपकते हुए आना
- पेशाब कई बार रुक रुक कर करना
- पेशाब करनेकेलिए दबाव या जोर लगाना
- पेशाब में खुन आना
- पेशाब कीथैली में गाँठ होना
- डायबिटीज, गुर्दा रोग, हाइपरटेंशनके मरीज भी समय रहते जाँच करा सकते है

## प्रोस्टेट कैंसर की जाँच

चिकित्सा संगठन अनुशंसा करते हैं कि पुरुषों को अपनी आयु के 50 के दशक में या उन पुरुषों के मामले में जल्दी प्रोस्टेट कैंसर की जाँच पर विचार करना चाहिए, जिन्हें प्रोस्टेट कैंसर का खतरा है।

अपने चिकित्सक के साथ अपनी स्थिति, जाँच के लाभों और जोखिमों पर चर्चा कीजिए। एक साथ, आप तय कर सकते हैं कि प्रोस्टेट कैंसर की जाँच आपके लिए सही है या नहीं।

प्रोस्टेट के जाँच परीक्षण में शामिल हो सकता है:

- **डिजिटल रेक्टल एग्जाम ( डीआरई ):** डीआरई (DRE) के दौरान, आपके चिकित्सक द्वारा आपके प्रोस्टेट की जाँच करने के लिए आपके मलाशय में दस्ताना सहित, स्नेहकयुक्त उंगली डाली जाती है, जो मलाशय से सटा होता है। यदि आपके चिकित्सक को इस ग्रंथिकी बनावट, रूपया आकार में कोई असामान्यता मिलती हैं, तो आपको आगे और परीक्षणों की आवश्यकता हो सकती है।
- प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन (पीएसए) टेस्ट। आपकी बाँह में एक नससे रक्तका नमूना लिया जाता हैऔर पीएसए के लिए विश्लेषित किया जाता है, जो वह पदार्थ है जो स्वाभाविक रूपसे आपकी प्रोस्टेट ग्रंथि द्वारा उत्पादित होता है। आपके रक्त में पीएसए की थोड़ी मात्रा होना सामान्य बात है। हालांकि, यदि सामान्य से उच्च स्तर पाया जाता है, तो यह प्रोस्टेट के संक्रमण, सूजन, वृद्धिया कैंसर का संकेत हो सकता है। डीआरई केसाथ संयुक्तपीएसए परीक्षण प्रोस्टेट कैंसर की इसके शुरु आती चरणों में पहचान करने में मदद करता है।

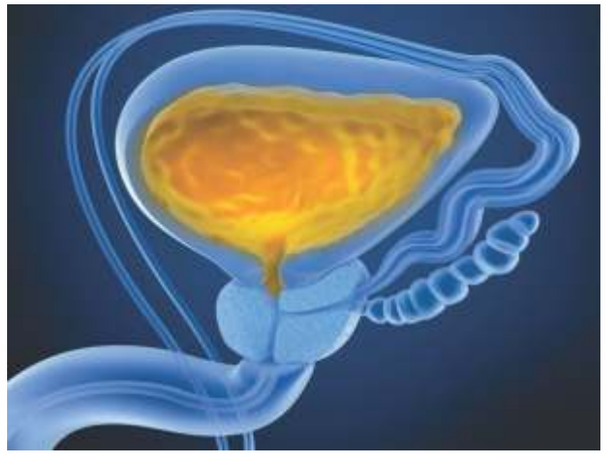

## प्रोस्टेट कैंसर की पहचान

यदि डीआरई या पीएसए परीक्षण में असामान्यता का पता चलता है, तो आपके चिकित्सक द्वारा यह निर्धारित करने के लिए आगे और परीक्षणों की सलाह दी जा सकती है कि आपको प्रोस्टेट कैंसर है या नहीं, जैसेकि:

- **प्रोस्टेट ऊतक का नमूना लेना :** यदि प्रारंभिक परीक्षण के परिणामों से प्रोस्टेट कैंसर का पता चलता है, तो आपके चिकित्सक द्वारा आपके प्रोस्टेट से कोशिकाओं का नमूना लेने की प्रक्रिया (प्रोस्टेट बायोप्सी) की अनुशंसा की जा सकती है। प्रोस्टेट बायोप्सी अक्सर एक पतली सुई का उपयोग करके किया जाता है जिसे ऊतक लेने के लिए प्रोस्टेट में डाला जाता है। यह निर्धारित करने के लिए ऊतक के नमूने का प्रयोगशाला में विश्लेषण किया जाता है कि कैंसर कोशिकाएँ मौजूद हैं या नहीं।
- **एमआरआई (MRI) फ्यूजन** लक्ष्यित प्रोस्टेट बायोप्सी में सहायता करता है।

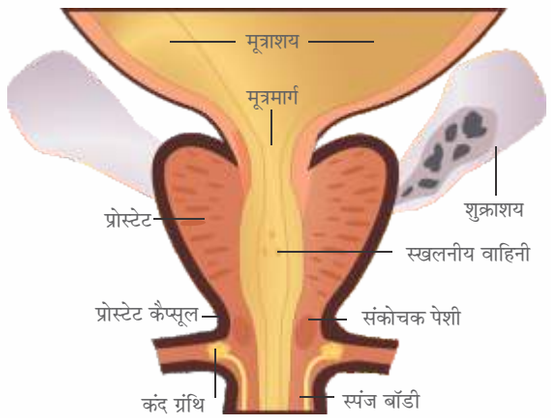


## यह निर्धारित करना किकैंसर कितनी दूर तक फैल चुका है

यदि आपके चिकित्सक को लगता है कि आपका कैंसर आपके प्रोस्टेट से परे फैल गया है, तो निम्नलिखित इमेजिंग टेस्ट मेंसे एकया अधिकटेस्ट की अनुशंसा की जा सकती है:

- बोन स्कैन
- अल्ट्रा साउंड
- कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन
- मैग्नेटिकरेजोनेंसइमेजिंग (एमआरआई)
- पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी) स्कैन
- प्रोस्टेट-स्पेसिफिकमेम्ब्रेन एंटीजन स्कैन (पीएसएमए)

ज़ायडस कैंसर सेंटर में, देखभालकर्ता नए पहचाने गए प्रोस्टेट कैंसर की सीमा और क्या रोग आसपास के लिम्फ नोड्स में फैल गया है या नहीं, यह पता लगाने के लिए प्रोस्टेट-स्पेसिफिक मेम्ब्रेन एंटीजन (पीएसएमए) अध्ययन का सहारा भी ले सकते हैं।

## प्रोस्टेट निकालने की शल्य चिकित्सा

प्रोस्टेट कैंसर की शल्य चिकित्सा में प्रोस्टेटग्रंथि (रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी), कुछ आसपास के ऊतकों और कुछ लिम्फ नोड्स को हटाना शामिल है। रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी कई तरीकों से हो सकता है:

- रोबोट से सहायता-प्राप्त शल्य चिकित्सा। रोबोट सहायता-प्राप्त शल्य चिकित्सा के दौरान, उपकरणों को एक यांत्रिक उपकरण (रोबोट) से जोड़ा जाता है और कई छोटे चीरों के माध्यम से आपके पेट में डाला जाता है। शल्य चिकित्सक एक कंसोल पर बैठता है और उपकरणों की गति के लिए रोबोटका मार्गदर्शन करनेके लिए हाथ से नियंत्रण का उपयोग करता है। रोबोटिक प्रोस्टेटेक्टोमी से शल्य चिकित्सक पारंपरिक न्यूनतम आक्रामक शल्य चिकित्सा के साथ संभव गतिकी तुलना में शल्य चिकित्सीय उपकरणों के साथ अधिक सटीक गति कर सकता है।

## रेडिएशन थेरेपी

रेडिएशन थेरेपी में कैंसर कोशिकाओं को मारने केलिए उच्च शक्तिवाली ऊर्जा का उपयोग किया जाता है।

## हार्मोन थेरेपी

हार्मोन थेरेपी आपके शरीर में पुरुष हार्मोन टेस्टोस्टेरोन बनने से रोकने का उपचार है। प्रोस्टेट कैंसर की कोशिकाएँ वृद्धि करने के लिए टेस्टोस्टेरोन पर निर्भर होती हैं। टेस्टोस्टेरोन की आपूर्ति काटने से कैंसर की कोशिकाएँ मर सकती हैं या धीरे-धीरे बढ़ने लग सकती हैं।

## कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी में कैंसर कोशिकाओं सहित तेजी से बढ़ती कोशिकाओं को मारने केलिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। कीमोथैरेपी आपके हाथ में एक नस के माध्यम से, गोली के रूप में या दोनों के रूप में दी जा सकती है।